AGLASEM.COM

# कक्षा १० नागरिकशास्त्र नोट्स

## लोकतंत्र की चुनौतियाँ



Key Notes and Important Questions with Answers

## राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 7

# लोकतंत्र की चुनौतियाँ

**मुख्य बातें :-**

1. **चुनौती** - वह मुश्किल है जो लोकतंत्र में आती रहती है और उसे दूर किया जा सकता है।
2. **बुनियादी आधार की चुनौती** - इस चुनौती में मौजूदा गैर-लोकतांत्रिक सरकार को गिराने, सत्ता पर सेना के नियंत्रण को समाप्त करने और एक सम्प्रभु तथा कारगर शासन व्यवस्था को स्थापित करने की चुनौती है।
3. **विस्तार की चुनौती** - इस चुनौती में लोकतांत्रिक शासन के बुनियादी सिद्धांतो को सभी क्षेत्रों, सभी सामाजिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में लागू करना शामिल हैं
4. **लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती** - इस चुनौती में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रथाओं को मजबूत करना शामिल है।
5. **लोकतंत्र** - एक ऐसी शासन व्यवस्था जहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है।

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को क्या कहते है ?
2. प्रत्येक लोकतंत्र के समक्ष किसकी मुख्य चुनौती होती है ?
3. लोगों को राजनीतिक सुधार लागू करने में सशक्त बनाने वाला कौन सा कानून श्रेष्ठत्तम है।
4. राजनीतिक सुधार किसे कहते है ?

## लघु/ दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. लोकतंत्र की चुनौतियों पर हम कैसे विजय प्राप्त कर सकते है ? समझाएँ।
2. लोकतंत्र की चुनौतियाँ कौन-कौन सी है ?
3. लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है ?
4. अच्छे लोकतंत्र की विशेषताएँ लिखिए ?
5. शिकायतों को लोकतंत्र की सफलता का प्रमाण किस प्रकार माना जाता है ? तीन तथ्यों की सहायता से स्पष्ट करें।
6. सबसे बढ़िया कानून सा है ? भारत से उदाहरण दे कर स्पष्ट करें।
7. भारतीय लोकतंत्र के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं ?
8. कुछ दिशा निर्देशों की चर्चा करें जिन्हें भारत में राजनीतिक सुधारों के लिए तरीका और जरिया ढूँढ़ते समय अपने ध्यान में रखा जा सकता है।
9. यहाँ हम भारत के बारे में चर्चा करेंगे। समकालीन भारत के लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों पर गौर करें। इनमें से उन पाँच की सूची बनाइए जिन पर पहले ध्यान दिया जाना चाहिए। यह सूची प्राथमिकता को भी बताने वाली होनी चाहिए यानी आप जिस चुनौती को सबसे महत्वपूर्ण और भारी मानते हैं उसे सबसे ऊपर रखें। शेष को इसी क्रम से बाद में। ऐसी चुनौती का एक उदाहरण दें और बताएँ कि आपकी प्राथमिकता में उसे कोई खास जगह क्यों दी गई है ?

## उत्तरमाला

### 1 अंक वाले प्रश्न

1. लोकतंत्र की चुनौतियाँ
2. विस्तार की चुनौती
3. सूचना का अधिकार, 2005
4. लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियों के बारे में सभी सुझाव या प्रस्ताव 'लोकतांत्रिक सुधार या राजनीतिक सुधार कहे जाते हैं।

## लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. ★ सैद्धान्तिक रूप से सुधार मुख्यतः राजनीतिक दलों के द्वारा ही लाये जाने चाहिए।

★ जनादेश के अनुसार समुचित संवैधानिक आधार अपनाया जाना चाहिए।

★ पंचायती राज व्यवस्था के द्वारा प्रशासन में लोगों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास।

★ सामाजिक जरूरतों के अनुसार नियमों में समय-समय पर बदलाव।

2. 1) बुनियादी चुनौती - जहाँ लोकतंत्र नहीं है वहाँ इसे स्थापित करना।

2) विस्तार की चुनौती - सभी क्षेत्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों को लागू करना।

3) लोकतंत्र को मजबूत करने की चुनौती - लोकतंत्र में जनता तथा संस्थाओं को सशक्त करना।

3. 1) लोकतांत्रिक संस्थाओं और उनकी कार्य पद्धतियों को मजबूत बनाना।

2) लोगों द्वारा लोकतंत्र से जुड़ी अपनी उम्मीदों को पूरा करना।

3) लोगों की भागीदारी में वृद्धि।

4) सरकारी फैसलों में पारदर्शिता।

4. -- धर्म, नस्ल, जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं

-- एक निश्चित कार्यकाल के बाद चुनाव सम्पन्न।

-- एक से अधिक दल।

-- स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका।

5. 1) शिकायत के द्वारा सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया अच्छी हो जाती है।

2) इससे विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता सशक्त होती है और लोकतंत्र में सुधार होते हैं।

3) शिकायतों द्वारा नागरिक सजग हैं ज्ञात होता है।

6. सबसे बढ़िया कानून वे हैं जो लोगों को लोकतांत्रिक सुधार करने की ताकत देते हैं। सूचना का अधिकार कानून लागों को जानकार बनाने और लोकतंत्र के रखवाले के तौर पर सक्रिय करने का अच्छा उदाहरण है। यह भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाता है।

7. 1) भ्रष्टाचार

2) जातिवाद

3) क्षेत्रवाद

4) भाषावाद

5) आतंकवाद

8. भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था में कई तरह की कमियाँ आ चुकी हैं। इन कमियों को दूर करने के लिए निम्न तरीका और जरिया ढूँढ़ा जा सकता है :-

1) बेहतर कानून बनाकर सुधार लाना

2) चुनावी खर्च को लेकर बनाए गए कानून का कड़ाई से पालन करना।

3) अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर राजनीति में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध।

4) दल-बदल करने पर उसकी सदस्यता समाप्त करना।

5) राजनीतिक दलों के चंदे को 'सूचना का अधिकार' कानून के अंतर्गत लाना।

6) पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को हर हाल में बहाल करना।

9. बच्चें स्वयं अपनी प्राथमिकता और चुनौती के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर देंगे। फिर भी इससे संबंधित कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं :-

| प्राथमिकता | लोकतंत्र की चुनौती | उदाहरण | प्राथमिकता का कारण |
|---|---|---|---|
| 1. | जातिवाद | भारत के कई राज्यों में जाति के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाता है तथा वोट डाला जाता है। जैसे-बिहार एवं उत्तर प्रदेश | जातिवाद के कारण सामाजिक वैमनस्य बढ़ता है और प्रदेश का विकास अवरुद्ध हो जाता है। |
| 2. | साम्प्रदायिकता | इसके कारण देश के कई हिस्से में दंगे फैल जाते हैं और निर्दोष लोग मारे जाते हैं। जैसे-गुजरात | इससे धन-जन की बहुत हानि होती है तथा देश की एकता एवं अखंडता खतरे में पड़ जाती है। |
| 3. | आतंकवाद और नक्सलवाद | जम्मू-कश्मीर छत्तीसगढ़, बिहार आदि सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यह एक बहुत गंभीर चुनौती है। | आज देश को इन दोनों चीजों से सबसे अधिक खतरा है। भारत सरकार का बहुत अधिक पैसा इस पर खर्च होता है। |